भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञिप्ति

उड़ान योजना को लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली, 20 **अप्रैल,** 2022:

नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) की प्रमुख क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) को "नवाचार (सामान्य) - केंद्रीय" श्रेणी के तहत लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया है।

माननीय नागर विमानन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य मा. सिंधिया ने श्री राजीव बंसल, सचिव, नागर विमानन मंत्रालय और श्री संजीव कुमार, अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की उपस्थिति में श्रीमती उषा पाधी, संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय के नेतृत्व में उड़ान टीम को यह पुरस्कार प्रदान किया।

भारत सरकार ने राज्य/सरकार के जिलों और संगठनों द्वारा किए गए असाधारण और अभिनव कार्यों को स्वीकार करने, पहचानने और पुरस्कृत करने के लिए इस पुरस्कार की शुरुआत की है। यह योजना केवल मात्रात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति के बदले सुशासन, गुणात्मक उपलब्धियों और अंतिम मील संपर्क पर जोर देती है। पुरस्कार में एक ट्रॉफी, स्क्रॉल और 10 लाख रुपये का प्रोत्साहन शामिल है।

2016 में आरंभ की गई उड़ान योजना का उद्देश्य उड़े देश का आम नागरिक के विजन का पालन करके आम आदमी की आकांक्षाओं को पूरा करना है। इस योजना की कार्यान्वयन संस्था होने के नाते भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण टियर II और III शहरों में विमानन बुनियादी ढांचे के विकास और हवाई संपर्क को बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। पांच वर्षों की छोटी सी अवधि में आज 419 उड़ान रूट हेलीपोर्ट और वाटर एयरोड्रोम सहित 67 अल्पसेवित/असेवित हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, और 92 लाख से अधिक लोग इससे लाभान्वित हुए हैं। इस योजना के तहत 1 लाख 79 हजार से अधिक उड़ानें भरी गई

हैं। उड़ान योजना ने पहाड़ी राज्यों, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र और द्वीपों सहित सम्पूर्ण भारत के कई क्षेत्रों को अत्यधिक लाभान्वित किया है।

उड़ान का देश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और उद्योग हितधारकों विशेषकर एयरलाइंस ऑपरेटरों और राज्य सरकारों से उत्तम प्रतिक्रिया मिली है। 350 से अधिक नए शहरों के जोड़े इस योजना के अंतर्गत जुड़ने जोड़े जाने वाले हैं। इस योजना में 200 शहर पहले से जुड़े हुए हैं जो भौगोलिक रूप से देश की लंबाई और चौड़ाई में व्यापक रूप से फैले हुए हैं और साथ ही संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करते हैं जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक विकास और स्थानीय लोगों को रोजगार मिलता है।

इस योजना से सिक्किम में गंगटोक के पास पाक्योंग, अरुणाचल प्रदेश में तेजू और आंध्र प्रदेश में कुरनूल जैसे नए ग्रीन फील्ड हवाई अड्डों का भी विकास हुआ। इस योजना से गैर-मेट्रो हवाई अड्डों के घरेलू यात्री हिस्से में 5% की वृद्धि हुई।

नागर विमानन मंत्रालय वर्ष 2026 तक उड़ान आरसीएस योजना के तहत 1,000 नए मार्गों के साथ भारत में 2024 तक 100 नए हवाई अड्डों का निर्माण करने की योजना बना रहा है और इसके लिए प्रतिबद्ध है।

हाल ही में, नागर विमानन मंत्रालय की झांकी को गणतंत्र दिवस 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्रीय मंत्रालय की झांकी के रूप में नामित किया गया था। नागर विमानन मंत्रालय की झांकी ने क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) - उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) को अपने केंद्रीय विषय के रूप में प्रदर्शित किया।

निगमित संचार निदेशालय, भविप्रा द्वारा जारी
विवरण के लिए कृपया संपर्क करें: मप्र (नि सं) 011-24622787
प्रेस विज्ञप्ति संख्या 03/2022-23